कोविड़ काल में बदला समाज

कोविड़ महामारी का शुरुआत चीन के वूहान में हुआ था। कोविड़ य कोरोना वायरस मानव जीवन में बहुत बुरा असर पडा है। इस वायरस के कारण दुनिया के सभी क्षेत्रों में बहुत बडी नुकसान हुई है। करोडों लोगों की मौत भी हुई है।

इस जानलेवा वायरस 2020 में चीन में पैदा हुआ। बीमार, ज़ुकाम, गले में खराबी, सिर पे दर्द आदि से कोविड़ का शुरुआत होती है। अतः एक व्यक्ति का जीवन मौत से लडते है। इस वायरस धीरे धीरे दुनिया भर फैलने लगा। एक व्यक्ति से दूसरी व्यक्ति में वायरस जल्दी फैल जाती है। वायू से बीमारी व्यक्ति के साथ रहने से, छूने से भी वायरस फैल जाती है। अतः करोडों लोगों की मौत हुई।

शुरुआत में बहुत जल्दी ही वायरस फैल गई। इस वायरस से एक व्यक्ति का जीवन बचाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

क्योंकि इस वायरस को प्रतिरोध करने केलिए वैक्सिन भी नहीं थी।

हम वायरस को वैक्सिन से प्रतिरोध तो नहीं कर सकती। हम सिर्फ ये ही कर सकती हैं कि वायरस को फैलने से रोक सकती हैं। अतः हमारी सारे दुनिया में मानव की ज़िंदगी में कई तरह की बदलाव हुई। ऐसी बदलाव जो मानव कभी सोचा भी न हो।

सिर्फ अस्पताल में दिखाई देने वाला मास्क दुनिया के सभी लोग लगाने लगा। ऐसे वायु से फैलने वाली वायरस को मास्क लगाके हम प्रतिरोध किया। मास्क न लगाने वाले को कड़ी ज़ुर्माना भी दिया।

घर के बाहर कहीं भी पाँच से अधिक लोगों को एक साथ खड़े रहने की अनुमति नहीं थी। क्योंकि इस वायरस जल्द फैल जाती हैं। अगर एक व्यक्ति को वायरस है तो सबसे पहले परिवार फिर गाँव फिर सारे देश में फैल जाएगी। इसीलिए लोग एक दूसरे से निश्चित दूरी रखी गई।

धीरे धीरे बहुत सारे लोगों में वायरस फैल गई और बहुत मौत भी हुई। और सारे दुनिया लॉकडाउन में चली गई। कोई भी अपनी घर से बाहर नहीं निकल सकती। सिर्फ अपनी घर पे ही काम चलाना पड़ेगा। पर प्रश्न यहाँ है कि " लॉकडाउन के समय आप जहाँ है आपको वहाँ रहना पड़ेंगा। गाड़ियाँ दूकान सब कुछ बंद हुआ। इसके वजह से गरीबी बढ गई। लोग काम पे नहीं जा सकते। वहाँ लोग बीमारी से मर रहे थी और यहाँ लोग गरीबी से मर रहे थी। वायरस से भी ज्यादा लॉकडाउन की असर अब हो रही है क्योंकि सभी लोग अपने घर में ही रहके आलसी और मोटा भी हो गयी है। अब लोग इस प्रश्न के परिहार की खोज में है।

इस वायरस ज्यादा तर बच्चे और बूढ़ों में बहुत बुरी असर डालती है। तो बच्चों की सुरक्षा को लेकर सारी स्कूल बंद कर दी। बच्चों की स्कूली जीवन वहाँ रोक गई। आज का युग विज्ञान का युग है। कम्प्यूटर ने हमारी जीवन सुविधाजनक बन दी। इसके सहायता से हमारी बच्चों की पढ़ाई

भी सही तरीके से चलाया। बच्चे सिर्फ सपने में देखते ऑणनईन क्लास उसे अनुभव करने को मिला। बहतरीन तरीके से बच्चों की पढाई हुई। जिस मोबाईल को लेने केलिए माता पिता बच्चों से मना करती थी उस माता पिता ने खुद अपनी बच्चों को मोबाईल खरीद के किया। इसके वजह से बच्चे ज्यादा मोबाईल में और कम पढ़ाई देने लगा। मोबाईल से अपनी मनोरंचन केलिए कई तरह के गेईमस में बच्चे ज्यादा समय बिताने लगा। और बच्चे ऐसा एक हालत में पहुँच गई जहाँ वो मोबाईल के बिना जी नही सकती। एक तरफ लोग बीमारी से मर रही थी और दूसरी तरफ बच्चे मोबाईल केलिए मर रहे थे। ऐसे गरीब घरों में भी अपने बच्चे की पढ़ाई को रुकावट न होने केलिए माता पिता बहुत मुशकिल से मोबाइल खरीद देती है। ऐसा बहुत मुशकिले लोगों को सहना पड़ा।

कई लोगों को मानसिक मुशकिल भी सहना पड़ा। सिर्फ घर मे रहके दूसरों से बात-चीत न होने की कारण मानसिक मुशकिले झेलने पड़ा।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

कोरोणा वायरस के आने से लोग खुद को बहुत साफ रखने को सीख लिया। बाहर से वापस घर आने से नहाना, अपनी हाथों को बार बार साबुन से धोना आदि। अतः मानव कई तरह के बीमारियों से बच रही है। और लोग बहुत सावधानी से काम चलाने शुरु की। लोगों को पैसों की सच्ची मूल्य भी पता चला।

बहुत सारा नुकसान दुनिया की सभी क्षेत्रों में हुआ। लोग बाहर जाके काम नहीं कर सकते थे। पर अधिक काम डॉक्टरस और नर्स को हुई है। सारे रात दिन बहुत मेहनत करना पड़ा। अपनी जीवन खतरे में रखके वो अपनी देश की लोगों केलिए मौत से लड़ा। देश की सेवक, रक्षक सिपाही की तरह डॉक्टरस और नर्स की सम्मान हुई। मानविकता वायरस से भी ज्यादा फैलने लगा।

हम इस वायरस को रोक पाया सिर्फ हमारी मानविकता से। केरल जनता के मानविकता 2018 में हुआ बाढ़ से ही हम साबित कर चुकी है।

गवणमेंट की उपदेश की अनुसार हम काम चलाया इसीलिए ही हम कोरोणा को रोक पाया। वैकसिन बनाते वक्त सभी लोग वैकसिन लेने गया।

एक देश से दूसरे देश में न वायरस फैलाने कि इच्छा से हवाई जहाज़ की सेवा भी बंद किया था। इसके वजह से विद्यार्थी लोगों को बहुत यातनाएँ सहना पडा। विद्यार्थी लोग अन्य देश में फँस गया थे। वापस आना मुशकिल थे।

कोविड की असर अभी भी सारे दुनिया में देख सकते हैं। अब भी वायरस पूरी तरह से हम मिटा नहीं पाया। सभी लोग बाहर मास्क लगाके ही जाते हैं। अब भी लोग कोरोणा की डर से पूरी तरह मुक्त नहीं हुआ हैं।

वायरस ने बहुत लोगों को हमारी दुनिया से मिटा दी। लगभग जनसंख्या की आधी लोगों का मौत हुआ। परिणामतः गरीबी से लोग ग्रस्त हैं।

वायरस ने बच्चों का ऊपर बहुत गहरा प्रभाव डाला हैं। मोबईल से बच्चे को बहुत बुरा

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

प्रभाव डाला है। बच्चों की भविष्य अब खतरे में है।

आज सभी लोगों के पास स्मार्ट फोण है। बच्चे को लेकर बूढों तक मोबाइल का उपयोग करता है। कंप्यूटर के क्षेत्र में बहुत बडी बदलाव आ चुकी है। सभी लोगों को अब मोबाइल का उपयोग आता है। अब सभी लोग समय के साथ यात्रा कर रही हैं।

वायरस ने सारे दुनिया में मानविकता फैला दी। और तो और बहुत कुछ लोगों को समझाया भी। लॉकडाउन के समय में लोगों को अपनी अंदर की खूबियाँ भी प्रकट करने की अवसर मिला। अपनी आप के बारे में अच्छी तरह विश्लेषण करने केलिए तथा नई नई चीज़ों की खोज भी हुई है।

अपनी परिवार के साथ बहुत समय बिताने केलिए बहुत समय भी मिला। अपनी व्यस्त जीवन में कुछ समय शांति से रहने को भी मिला।

बहुत सी बदलाव समाज मे आचुकी है। अच्छी और बुरी बदलाव भी हुआ है। अपने परिवार के साथ बहुत सी समय बिताने केलिए कुछ लोगों को मिला है। लॉकडाउन के समय अच्छी तरह प्रयोग करके बहुत लोग हमारे यहाँ हम देखसकते है और बुरी आदतों मे फँसे लोगों को भी।

"सुख दुख का मिलान है जिंदगी"।

सुख और दुख को सही तरीके से अच्छी मार्ग से शस्त्र से पार करना ही हमारी लक्ष्य है। एक साथ हम सब मिलके इस महामारि को दुनिया से हम मिटा सकूँगा।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)